हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 296 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 26 मई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

यात्रीगण कृपया ध्यान दें - उत्तराखण्ड पुलिस ने तैयार किया विशेष ट्रैफिक प्लान 3

18 घंटे बाद केदारनाथ यात्रा शुरू

15 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री रवाना

मेहविश फ़िरोज़
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ धाम में दो दिन की बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। केदारनाथ मंदिर के चारों तरफ चोटियां बर्फ से घिर गई हैं। मंदिर के चारों तरफ पहाड़ियों में सफेद बर्फ की चादर बिछ चुकी है। वहीं, मंदिर और आसपास के इलाकों में बर्फबारी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। केदारपुरी में श्रद्धालु ठंड से ठिठुर रहे हैं , रुद्रप्रयाग में भी ठंड बढ़ गई है , लोग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। लेकिन राहत की बात ये है कि 18 घंटे बाद ही सही लेकिन बारिश और बर्फबारी रुकने पर केदारनाथ यात्रा फिर शुरू हो गई है। सोनप्रयाग और गौरीकुंड के पड़ावों से 15 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री मंगलवार सुबह 6 बजे केदारनाथ के लिए रवाना किये गए हैं।

चार धाम में बाधक बनी दो दिन की बारिश और बर्फबारी : रुद्रप्रयाग जिले में सोमवार और मंगलवार दो दिन जमकर बारिश हुई। वहीं, केदारनाथ धाम में बर्फबारी के बाद दोनों ही दिन केदारनाथ यात्रा को सोनप्रयाग में रोकना पड़ा। इसके अलावा फाटा और गौरीकुंड से हेलीकॉप्टर सेवाएं भी अस्थायी रूप से निलंबित करनी पड़ी थी। फिलहाल पैदल यात्रा के साथ ही हेली सेवाएं भी फिर से शुरू कर दी गई है। केदारनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 6 मई से 24 मई शाम 6 बजे तक 3,20, 833 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। 24 मई की रात तक 9,69,610 तीर्थ यात्री चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। इस मौसम की मार से जहाँ यात्री परेशान हैं वहीँ स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार भी अब फूँक फूँक कर कदम आगे बढ़ा रही है जिससे किसी भी तरह की कोई जन हानि और दुर्घटना को होने से बचाया जा सके।

टिहरी में गंगोत्री हाईवे पर खाई में गिरी बोलेरो, 6 लोगों की मौत, सभी शव जले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी में सड़क हादसे में 6 लोगों के मरने की खबरसे देवभूमि कैंप गयी .. गंगोत्री राजमार्ग पर कंडीसौड़ तहसील के पास एक बोलेरो वाहन खाई में गिर गया... इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई... पुलिस के अनुसार, हादसा मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हुआ.. तहसीलदार किशन सिंह महंत ने बताया कि वाहन में छह लोग सवार थे... इनमें पांच पुरुष और एक महिला शामिल थी ... सभी शवों की शिनाख्त की जा रही है...

बता दें कि, NH-94 चंबा धरासु मोटरमार्ग पर कमाद के पास बोलेरो गाड़ी कोटीगाड़ के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई .... हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है... कंडीसौड़ से पहले कोटीगाड़ में वाहन अनियंत्रित हो गया और पैराफीट तोड़ते हुए खाई में गिर गया...

वाहन के खाई में गिरते ही उसमें आग लग गई... स्थानीय लोगों ने वाहन खाई में गिरते हुए देखा तो वे मौके पर पहुंचे... उन्होंने वाहन में लगी आग बुझाने की कोशिश की. लेकिन, तब तक लोगों की जलकर मौत हो चुकी थी...

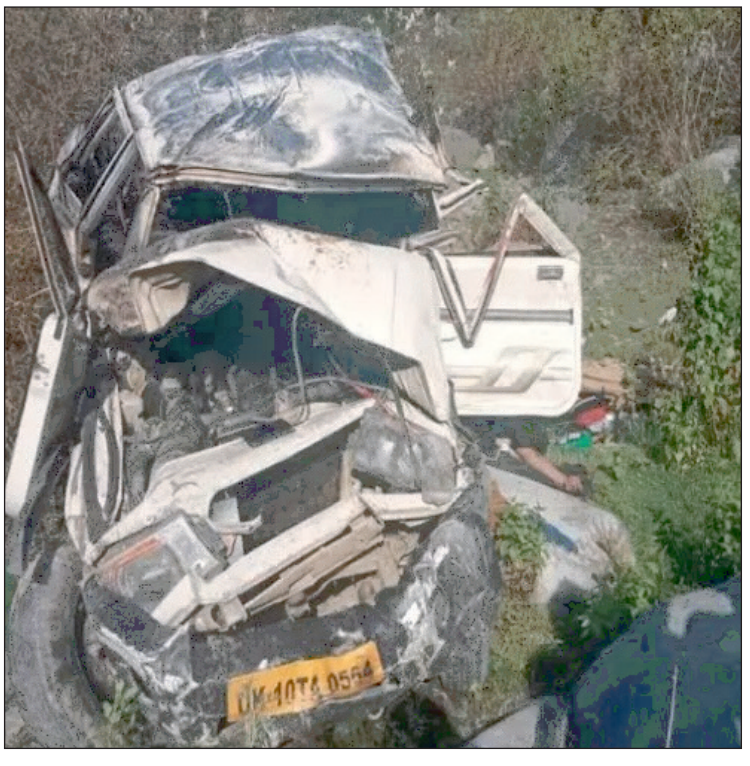

केदारनाथ में चार और यमुनोत्री धाम में तीन तीर्थयात्रियों की हार्ट अटैक से मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ में बुधवार को भी चार यात्रियों की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। 20 दिन में 38 यात्रियों की मौत हो चुकी है। उधर, यमुनोत्री धाम में भी तीन तीर्थयात्री की मौत हो गई। बुधवार को बाबा केदार के दर्शनों को पहुंचे ऋषि भदौरिया (65), निवासी ग्वालियर, मध्य प्रदेश, शंभू दयाल यादव (66) निवासी बगीचा गुलाबगंज, कैंट गुना मध्य प्रदेश, कलाम नाथ भट्ट (60), निवासी उरवा खुरण, दीनामगण, उत्तर प्रदेश और चंगदेव जनार्दन शिंदे, निवासी धाराबाई पार्क कोलापुर सिटी, महाराष्ट्र की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. बीके शुक्ला ने बताया कि यात्रियों की मौत का कारण ठंड के चलते सांस लेने में दिक्कत व हार्ट अटैक सामने आ रहा है। उधर, यमुनोत्री धाम में बुधवार को तीन तीर्थयात्रियों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इनमें राजन (57) निवासी धर्मपुरी तमिलनाडु, महाराष्ट्र निवासी दिलीप परांसपे (75) व महाराज गंज उत्तर प्रदेश निवासी पारसनाथ यादव (74) शामिल हैं।

यमुनोत्री धाम में मौत का आंकड़ा 22 हो गया है। दो की मौत चोटिल होने के बाद हुई थी। वहीं गंगोत्री में पुलिस व एसडीआरएफ के जवानों ने एक तीर्थयात्री को बहने से बचा लिया। हैदराबाद निवासी अशोक बाबू (63) नहाते समय भागीरथी के तेज बहाव की चपेट में आ गया था।

श्रीदेव सुमन की जयंती : उक्रांद ने टिहरी बांध का नाम सुमन सागर बांध करने की मांग की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड क्रांति दल द्वारा अमर शहीद श्रीदेव सुमन जी की 106 जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि दी गयी । इस अवसर पर सुमन जी को याद करते हुए सुनील ध्यानी ने कहा कि श्रीदेव सुमन जी का जन्म जोल गाँव टिहरी गढ़वाल हरिराम बडोनी माता तारा देवी के यहां 25 मई 1916 को हुआ था, किसे पता था कि श्री देव सुमन भविष्य का जननायक बनेगा । मिडल तक कि पढ़ाई टिहरी मे की और राजशाही के खिलाफ उन्होंने बिगुल फुका यही नहीं, गांधी जी के द्वारा चलाया गया नमक आंदोलन से लेकर सत्याग्रह मे देश कि आजादी मे अपनी बड़ी भूमिका निभायी । टिहरी राजशाही के खिलाफ उन्होंने प्रजामंडल का गठन किया, जिसमें सेकड़ों लोग जुड़े और टिहरी राजा के खिलाफ आंदोलन चरम सीमा तक पहुंचा जिसका यह परिणाम निकला कि श्रीदेव सुमन को टिहरी साम्राज्य मे प्रवेश करने पर रोक लगा दी, आखिरी मे राजा द्वारा उनको बंदी बनाकर जेल मे डाल दिया गया जहाँ उन्होंने व्यवस्था के खिलाफ अनशन रखा उनका अनशन 84 दिन चला अंत मे वीर नायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन ने 25 जुलाई 1944 मे उनके आखिरी सांस ली ।

इस अवसर पर वक्ताओं ने यह भी कहा कि श्रीदेव सुमन जी के नाम पर टिहरी डेम का नाम सुमन सागर बाँध रखा जाय यह मांग उत्तराखंड क्रांति दल 2004 से करते आया हैं ।इस अवसर पर डॉ शक्ति शैल कपरुवाण,दीपक गैरोला,जय प्रकाश उपाध्याय,शकुंतला रावत, किरन रावत कश्यप, सुशीला पटवाल, राजेंद्र गुसांईं, सुमित डंगवाल, वीरेंद्र,प्रभात डंडरियाल आदि उपस्थित रहे ।

50 से अधिक आयु वाले यात्रियों की होगी हेल्थ स्क्रीनिंग : राधिका झा, स्वास्थ्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लम्बे समय बाद उत्तराखंड की लाइफलाइन यानी विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा अपनी भव्यता के साथ शुरू तो हो गयी थी। लेकिन समय बीतने के साथ साथ चुनौतियाँ भी बढ़ीं और अब तक कई दर्जन तीर्थयात्री अपनी ज़िंदगी खो चुके हैं। ख़ास बात ये है कि चार धाम में हार्ट अटैक से तीर्थयात्रियों की मौत के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। चारधाम यात्रा के दौरान बदलते मौसम और ऊंचाई वाले धामों में बर्फबारी के बीच स्वास्थ्य सचिव राधिका झा ने दिशा निर्देश जारी करते हुए खा है कि 50 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी यात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग ज़रूर की जाए। चौबीस घंटे के भीतर केदारनाथ यात्रा में चार यात्रियों की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेज दिया है। कपाट खुलने के बाद से अभी तक 34 यात्रियों की मौत हो चुकी है। बीते सोमवार देर शाम को रविंद्र नाथ (56), प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश की सोनप्रयाग में तबीयत खराब हो गई थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग रेफर किया गया।

यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, अनीता राय सिंधे (65), निवासी ग्राम भागला, जिला औरंगाबाद, महाराष्ट्र, मानकुंवर नागर (60), निवासी मध्य प्रदेश और लता कमावत (56), निवासी नथवाड़ा, राजस्थान को बड़ी लिनचोली, बेस कैंप और सोनप्रयाग में दिल का दौरा पड़ा था। इन्हें नजदीकी एमआरपी व अस्पताल में लाया गया।

जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीएमओ डा. बीके शुक्ला ने बताया कि कपाट खुलने के बाद से अभी तक 34 यात्रियों की मौत हो चुकी है, जिसमें 33 की मौत का कारण दिल का दौरा पड़ना रहा है। जबकि एक

यात्री की गौरीकुंड में पैर फिसलने से खाई में गिरकर मौत हुई थी। चारधाम यात्रा के दौरान बदलते मौसम और ऊंचाई वाले धामों में बर्फबारी के बीच स्वास्थ्य सचिव राधिका झा ने दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी सीएमओ को कहा है कि वह 50 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी यात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग करें। ताकि अनुकूल स्वास्थ्य न होने पर ऐसे यात्रियों को आगे की यात्रा स्थगित करने के बारे में परामर्श दिया जा सके। सरकार भी अब बेहद सतर्कता से इस हाउसफुल हो चुकी यात्रा को आगे बढ़ाना चाहती है जिससे बिना किसी जनहानि के लोगों को सुरक्षित दर्शन और उनके स्वस्थ प्रस्थान को सुनिश्चित किया जा सके।

प्रेमनगर अस्पताल का नाम हरबंश कपूर के नाम पर होगा : डॉ. धन सिंह रावत , स्वास्थ्य मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रेमनगर संयुक्त अस्पताल का नाम पूर्व विधायक हरबंश कपूर के नाम पर रखा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने अधिकारियों को इसके निर्देश दिए हैं। असपताल के विस्तारीकरण के लिए भी निर्देश दिए हैं।प्रेमनगर संयुक्त अस्पताल का नाम पूर्व विधायक हरबंश कपूर के नाम पर रखा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने अधिकारियों को इसके निर्देश दिए हैं। उन्होंने देहरादून के मुख्य चिकित्साधिकारी को अस्पताल के विस्तारीकरण के लिए अस्पताल के आसपास अतिरिक्त जमीन तलाशने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से अस्पताल में बेड क्षमता के विस्तार को लेकर भी अलग से रिपोर्ट देने को कहा है। प्रेमनगर अस्पताल कैंट विधानसभा के एक बड़े हिस्से के साथ ही प्रेमनगर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को कवर करता

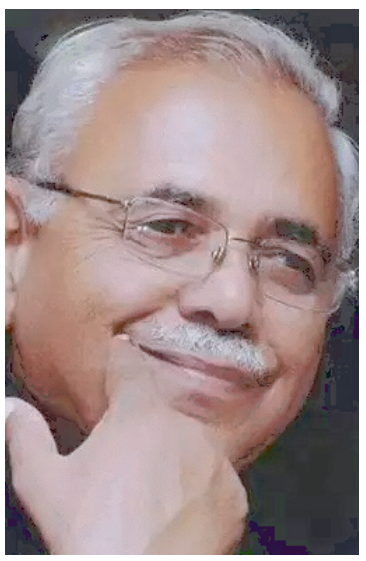

है। इसलिए अब इस अस्पताल को विस्तार देने का निर्णय लिया गया है।

उत्तराखंड कैम्पा की बैठक में फारेस्ट फायर पर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (उत्तराखण्ड कैम्पा) की संचालन समिति की बैठक आयोजित हुई।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को फॉरेस्ट फायर पर विशेष ध्यान देते हुए प्रदेश को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तर्ज पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट फायर प्रोटेक्शन कार्यों के लिए वन पंचायतों का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि इस योजना के तहत प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं जल श्रोतों के संवर्द्धन, वन्य जीवों के प्राकृतिक आश्रय स्थल के संरक्षण, पारस्थितिकीय संतुलन एवं पर्यावरण सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि के प्रयासों पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्य सचिव ने इको टूरिज्म की दिशा में विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता बताते हुए देहरादून से लगे वनों के आसपास और पर्यटन स्थलों के आसपास वॉकिंग और साइक्लिंग ट्रेल्स विकसित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में माउंटेन बाइकिंग का क्रेज भी बढ़ रहा है, इसकी संभावनाओं को तलाशते हुए इस दिशा में कार्य किया जाए, इससे पर्यटकों को प्रदेश ने एडवेंचर टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्य सचिव ने कैम्पा कार्यों की मॉनिटरिंग हेतु सिस्टम विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने आगे से संचालन समिति की बैठकों में डिग्रेड हुए वनों की जानकारी भी साझा किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे डिग्रेडेड वनों के वनीकरण हेतु कार्ययोजनाएं तैयार की जा सकेंगी।

बैठक में उत्तराखण्ड कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना के अन्तर्गत कैम्पा नियमावली में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 अनुमन्य गतिविधियों हेतु कुल लगभग 41898.12 लाख रूपए की कार्ययोजना अनुमोदित की गयी। इस कार्ययोजना में वृक्षारोपण, वन्यजीव प्रबन्धन, वनाग्नि सुरक्षा कार्य, मृदा एवं जल संरक्षण के साथ ही बुग्यालों आदि के संरक्षण का प्राविधान किया गया। इसके साथ ही फॉरेस्ट एंड वाइल्ड लाइफ रिसर्च, वन पंचायतों का सुदृढ़ीकरण, वॉकिंग एंड साइक्लिंग ट्रेल्स का विकास और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा हेतु प्राविधान का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव वन आर. के. सुधांशु एवं पीसीसीएफ श्री विनोद कुमार सहित वन विभाग के शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें - उत्तराखण्ड पुलिस ने तैयार किया विशेष ट्रैफिक प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय द्वारा चारधाम यात्रा को सुगम बनाने हेतु लगातार दिशानिर्देश जारी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में यात्रा को ओर अधिक सुगम एवं सरल बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय के द्वारा विशेष यातायात कार्ययोजना तैयार की गई है। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार (आई0पी0एस0) ने बताया कि हरिद्वार से व्यासी के बीच का मार्ग यातायात के दृष्टिगत कोर एरिया है। यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चार जनपदों में पड़ने वाले चारधाम कोर एरिया मार्ग को कुल 08 जोन एवं 28 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। जनपद हरिद्वार में शंकराचार्य चौक से पंतदीप पार्किंग तक के मार्ग को प्रथम जोन एवं जयराम मोड़ से सप्तऋषि फ्लाईओवर तक जोन बनाया गया है, इसमें 06 सेक्टर समाहित हैं।

जनपद देहरादून के रायवाला क्षेत्रान्तर्गत सप्तऋषि बार्डर से लालतप्पड़ तक प्रथम जोन व ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत नेपाली फार्म से चन्द्रभागा पुल तक के मार्ग को द्वितीय बनाया गया है, जिसके अन्तर्गत 07 सेक्टर हैं। जनपद टिहरी में यात्रा का अत्यधिक यातायात दबाव होने के कारण ढालवाला, मुनिकीरेती तथा तपोवन.ब्यासी तक के मार्ग को अलग-अलग 03 जोनों में बांटा गया है जिसमें कुल 10 सेक्टर है। जनपद पौड़ी क्षेत्रान्तर्गत लक्ष्मण झूला में 01 जोन व 05 सेक्टर बनाया गया है।

बाहरी प्रदेशों से आने वाले वाहनों के बाधारहित आवागमन हेतु अलग से प्लान बनाया गया है। जिसमें दिल्ली-मेरठ- से आने वाले हल्के वाहन मुजफ्फरनगर से मंगलौर से नगला इमरती राष्ट्रीय राजमार्ग 334 से रूडकी बाईपास के रास्ते कोर कॉलेज से ख्याति ढाबा के सामने से हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश पहुंचेंगें। वहीं यमुनानगर-सहारनपुर से हरिद्वार की ओर आने वाले वाहनों को भगवानपुर से इमलीखेडा होते हुए बहारदाबाद की तरफ से हरिद्वार की ओर भेजा जायेगा। मुरादाबाद-बिजनौर-नजीबाबाद से आने वाले हल्के वाहन चण्डी चौकी से हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश की ओर भेजे जाएंगे।

यातायात दबाव के अधिक होने पर बाहरी राज्यों/जनपदों से आने वाले वाहनों को सप्तऋषि-रायवाला-नेपालीफार्म-श्यामपुर चौकी-नटराज चौक-ढालवाला चौकी-भद्रकाली -तपोवन तिराहा-तपोवन चौकी-ब्रहमपुरी-शिवपुरी से गंतव्य की ओर भेजा जायेगा। ऋषिकेश के श्यामपुर रेलवे क्रासिंग पर अत्यधिक जाम लगने की स्थिति में वाहनों को सप्तऋषि-रायवाला-नेपालीफार्म-लालतप्पड़-भानियावाला-रानीपोखरी- नटराज चौक- ढालवाला चौकी -भद्रकाली-बाईपास रोड होते हुए तपोवन तिराहा-तपोवन चौकी-ब्रहमपुरी-शिवपुरी से गंतव्य की ओर भेजा जायेगा।

श्रद्धालुओं को यात्रा पूर्ण करने के बाद शिवपुरी/नीलकण्ठ-ब्रहमपुरी तिराहा-गरूडचट्टी- बाईपास रोड होते हुए पशुलोक बैराज-चीला होते हुए हरिद्वार की ओर भेजा जाएगा। सम्पूर्ण चारधाम यात्रा मार्ग पर यातायात की मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम ऋषिकेश एवं कंन्ट्रोल रूम मुनिकीरेती से की जायेगी। यात्रियों के वाहनों का आवागमन रात्रि 10:00 बजे से सुबह 04:00 बजे तक प्रतिबन्धित रहेगा। इन रूटों पर भारी वाहनों का आवागमन प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक नहीं होगा। इन रूटों पर ई-रिक्शा/थ्री व्हीलर प्रत्येक समय पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगें। किसी भी वाहन के अनियोजित पार्किंग पर कड़ी कार्रवाही के लिए निर्देश दिये जा चुके हैं।यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की मदद हेतु पर्यटक पुलिस तैनात की गई है।

चीन सीमा से सटे गुंजी गांव में मुख्यमंत्री ने साइकिल रैली में बढ़ाया जोश , पैतृक गाँव भी पहुंचे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़: उत्तराखंड की चंपावत विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए 31 मई को मतदान किया जाना है. मतदान से पहले कांग्रेस और बीजेपी चुनाव प्रचार में जुटी हुई है. इसी कड़ी में आज बुधवार को बीजेपी प्रत्याशी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने भ्रमण कार्यक्रम के तहत पिथौरागढ़ के हड़खोला स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे.

कोटगाड़ी मंदिर में की पूजा: इस दौरान पिथौरागढ़ के हड़खोला स्थित अपने पैतृक गांव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया. इसके बाद CM पुष्कर धामी पिथौरागढ़ के पांखू में कोटगाड़ी मंदिर पहुंचकर पूजा एवं दर्शन कर आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पिथौरागढ़ के गुंजी में आयोजित साइकिल रैली का शुभारम्भ व अन्य कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया.

व्यास घाटी की 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित गुंजी में आयोजित साइकिल रैली के शुभारम्भ कार्यक्रम को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधित कर अपने संबोधन में कहा कि कैलाश की घाटी गुंजी में इस आयोजन से सीमांत क्षेत्र के संस्कृति एवं परंपराओं का आदान-प्रदान का अवसर भी प्राप्त होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय रोजगार में भी वृद्धि होगी और पलायन में भी कमी आएगी.इस कार्यक्रम का आयोजन करना निश्चित ही एक अच्छी पहल है. इससे हमारी इस घाटी को समझने का और पूरी दुनिया में ले जाने का काम आप सब की मदद से हो रहा है.

इसके अलावा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज गुंजी में आयोजित साइकिल रैली के शुभारम्भ के बाद डीआरडीओ गेस्ट हाउस पिथौरागढ़ में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया.

काम की बात : LLM के लिए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ही क्यों है बेस्ट, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मास्टर्स ऑफ लॉ एक लैटिन वर्ड है, जिसका अर्थ लेगम मैगीस्टर या मैगीस्टर लेगम होता है। यह एक एडवांस पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री होती है, जिसे वे लोग करते हैं, जिन्होंने अपनी ग्रेजुएशन डिग्री लॉ में की हो, या जिनके पास कोई प्रोफेशनल लॉ की डिग्री हो या फिर वे लोग, जिन्होंने संबंधित फील्ड में पढ़ाई की होगी।

LLM का फुलफॉर्म Master of Legislative Laws होता है। यह दो साल की पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री है, जो आपको उस विशेष फील्ड के बारे में इंसेंटिव रिसर्च के जरिए विस्तृत जानकारी देने में मदद करता है। मास्टर्स की यह डिग्री आपको कई सारे क्षेत्रों में विशेषज्ञता देने का काम करती है। जैसे आपको नागरिक कानून, कर कानून, आपराधिक कानून, कॉर्पोरेट कानून, वाणिज्यिक कानून, अंतर्राष्ट्रीय कानून, श्रम कानून, बौद्धिक संपदा कानून, विलय और अधिग्रहण कानून आदि में विशेषज्ञता मिलती है। न्यूज़ वायरस का ये विशेष लेख आपको LLM के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा, तो बिना समय गंवाए आइए जानते हैं LLM के बारे में...

LLM एक परिचय

LLM का मतलब Master of Legislative Laws होता है. इस कोर्स का मूल काफी व्यापक है, जिसमें विस्तृत सब्जेक्ट्स हैं, जैसे कि भारत में कानून और सामाजिक परिवर्तन, संवैधानिकता, कानूनी अनुसंधान और कार्यप्रणाली, न्यायिक प्रक्रिया,आदि। इसके अलावा, ये सिलेबस कई अन्य क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्रदान करता है, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय कानून, आपराधिक कानून, कॉर्पोरेट कानून और टैक्सेशन कानून.

LLM की डिग्री क्यों है जरूरी?

क्या आप भी किसी टॉप के लॉ कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद तेजी से अपना करियर बनाना चाहते हैं? यदि ऐसा है तो आपके लिए

भारत के सर्वश्रेष्ठ लॉ कॉलेजों में से किसी एक कॉलेज जैसे चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से LLM की डिग्री लेना सबसे बेस्ट रहेगा. साथ ही नीचे दिए गए इन्हीं कुछ कारणों की वजह से आपको मास्टर्स की डिग्री करनी चाहिए।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी आपको थेरोटिकल और प्रैक्टिकल दोनों के बेहतरीन मिश्रण के साथ कानूनी शिक्षा प्रदान करती है. हाई क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी अपने फर्स्ट-ग्रेड टीचिंग फैकल्टी के साथ अपने छात्रों को वैल्युएबल, समकालीन और बौद्धिक विकास में सहायक करिकुलम प्रदान करती है, जो ग्लोबल एजुकेशन स्टैंडर्ड्स को मैच करता है।

स्कॉलरशिप का अवसर

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में LLM में एडमिशन पाने के लिए उम्मीदवारों को CUCET की प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। इसके अलावा CUCET - 2022 ग्लोबल अवसरों के साथ आपकी शैक्षणिक प्रतिभा को पुरस्कृत भी करता है, जिसके तहत आपको 45 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप की सहायत प्रदान करता है।

LLM करने की योग्यता क्या है?

LLM की एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा करने के लिए छात्र को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय से कम से कम 50% अंकों के साथ तीन साल की LLB degree or BA (LLB)/BSc (LLB) या 5 साल की BBA (LLB) की डिग्री में पास होना होगा. साथ ही अगर आप चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो आपको CUCET की परीक्षा पास करनी होगी।

तो क्या तहज़ीब के शहर लखनऊ का नया नाम होगा लक्ष्मणपुरी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश में शहरों और सड़कों के नाम बदलने का जो सिलसिला पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के समय पर शुरू हुआ था, वह बाद में अखिलेश यादव और अब सीएम योगी आदित्यनाथ के समय में भी जारी है। फिर चाहे वह इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज करना हो या फैजाबाद जिले का नाम अयोध्या करना। योगी को नाम बदलने के अपने इस फॉर्मूले का काफी फायदा मिला है और उनके प्रस्तावों को केंद्र और जनता की तरफ से काफी स्वीकार्यता भी मिली है। हालांकि, अब जिस शहर के नाम बदलने की चर्चा सबसे ज्यादा है, उनमें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सबसे ऊपर है।

History of Lucknow भगवान लक्ष्मण का नाम राजधानी लखनऊ से लंबे समय से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी(BJP) के शीर्ष नेता स्वर्गीय लालजी टंडन(Lalji tandon) ने अपनी पुस्तक अनकहे किस्से में इस संबंध में जिक्र किया है। यह किताब वर्ष 2018 में सामने आई थी। किताब में लालजी टंडन ने लिखा था कि लक्ष्मण टीला(laxman tila) को अब टीले वाली मस्जिद के नाम से जाना जाता है। एक समय था जब इसे लक्ष्मण टीला(laxman tila) कहा जाता था। किताब में बताया गया है कि लक्ष्मण के टीले पर औरंगजेब के शासनकाल में मुगल गवर्नर द्वारा मस्जिद का निर्माण कराया गया था।

History of Lucknow. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के नाम को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं तेज हो गयी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखनऊ दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ट्वीट कर शहर के नाम पर बहस छेड़ दी थी। योगी ने ट्वीट किया था कि शेषावतार भगवान श्री लक्ष्मण जी की पावन नगरी लखनऊ में आपका हार्दिक स्वागत व अभिनंदन...। पीएम मोदी आए और चले भी गए। लेकिन लक्ष्मण की नगरी को लेकर बहस जारी है। इलाहाबाद, फैजाबाद के बाद अब लखनऊ का नाम बदलने की मांग मुखर हो उठी है। हालांकि, सीएम की इस पुरानी ट्विट के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से राजधानी लखनऊ का नाम बदलने के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। हां, लखनऊ में लक्ष्मण की एक विशाल मूर्ति लगाने की तैयारी है।

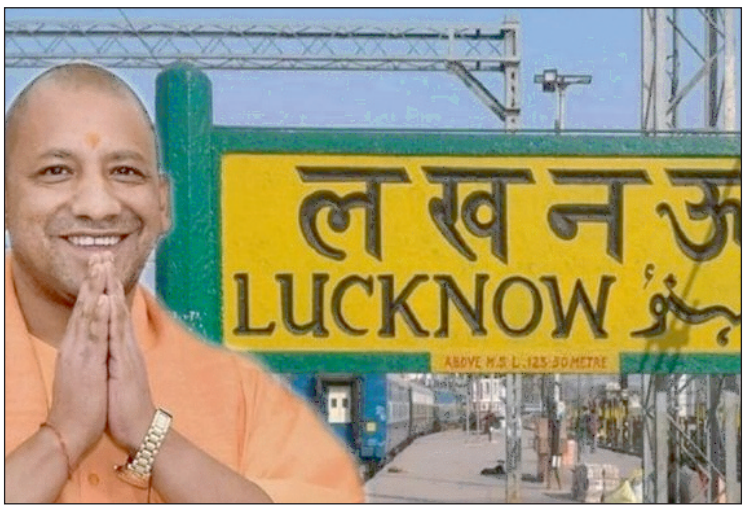

लखनऊ में मूर्ति लगाने की तैयारी

लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया ने ऐलान किया है कि 151 फीट ऊंची भगवान लक्ष्मण की मूर्ति को हनुमान मंदिर के पास झूलेलाल पार्क में स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को भेजा गया है। मूर्ति की स्थापना के लिए 15 करोड़ का बजट मांगा गया है। मेयर ने कहा है कि शहर का सही नाम लक्ष्मणपुरी है। लक्ष्मण की मूर्ति को प्रेरणा स्थल के रूप में स्थापित किया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी को लक्ष्मण के योगदान से प्रेरणा मिल सके।

लखनऊ से लक्ष्मण का ऐतिहासिक कनेक्शन

भगवान लक्ष्मण का नाम राजधानी लखनऊ से लंबे समय से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता स्वर्गीय लालजी टंडन ने अपनी पुस्तक अनकहे किस्से में इस संबंध में जिक्र किया है। यह किताब वर्ष 2018 में सामने आई थी। किताब में लालजी टंडन ने लिखा था कि लक्ष्मण टीला को अब टीले वाली मस्जिद के

नाम से जाना जाता है। एक समय था जब इसे लक्ष्मण टीला कहा जाता था। किताब में बताया गया है कि लक्ष्मण के टीले पर औरंगजेब के शासनकाल में मुगल गवर्नर द्वारा मस्जिद का निर्माण कराया गया था।

बदलता इतिहास

शहर के नाम के इतिहास की बात करें तो लखनऊ का नाम सबसे पहले लक्ष्मणवती था। जो बाद में लक्ष्मणपुर हुआ। लक्ष्मणपुर के बाद इसका नाम बदलकर लखनावती हुआ। अब शहर का नाम लखनऊ है। भाजपा नेता की किताब में जिक्र है कि यह शहर राम भगवान की ओर से लक्ष्मण को दिया गया था। बाद में लक्ष्मण टीले पर मस्जिद का निर्माण किया गया। टंडन का मानना था कि टीले क्षेत्र का आर्कियोलॉजिकल सर्वे किया जाना चाहिए। देश में ज्ञान व्यापी , काशी , मथुरा और कुतुबमीनार के बाद ताजमहल से होते हुए अब देश के खास तबके में नवाबी शहर लखनऊ को लेकर भी बहस और तर्क वितर्क शुरू हो गया है।

Good News : पंतनगर से लखनऊ 1 घंटे में, दो जून से उड़ेगा जहाज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इंडिगो एयरलाइंस पंतनगर से लखनऊ के बीच दो जून से नॉनस्टॉप हवाई सेवा शुरू करने जा रही है। यात्रियों को फिलहाल अभी यह हवाई सेवा सप्ताह में तीन दिन (मंगलवार, बृहस्पतिवार व शनिवार) मिलेगी। बाद में इसे विस्तार दिया जायेगा। इसके लिए इंडिगो प्रबंधन ने फ्लाइट शेड्यूल जारी कर टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। इस हवाई सेवा के शुरू होने से अब पंतनगर से लखनऊ के बीच की दूरी सिर्फ एक घंटे में पूरी हो जाएगी।

इंडिगो प्रबंधन ने लखनऊ-पंतनगर के बीच दो जून से सप्ताह में तीन दिन फ्लाइट संचालित करने का निर्णय लिया है इसका शेड्यूल इंडिगो ने प्राधिकरण को सौंपकर टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग भी शुरू कर दी है। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-7322 दिन में 11 बजे लखनऊ से उड़ान भरकर दोपहर 12:10 बजे पंतनगर

एयरपोर्ट पहुंचेगी।

वापसी में उड़ान संख्या 6ई-7323 पंतनगर से 12:40 बजे उड़ान भरकर 13:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेगी। इस फ्लाइट के शुरू होने से जहां यात्रियों को राहत मिलेगी वहीं कुमाऊं में पर्यटन को भी पंख लगेंगे। इंडिगो प्रबंधन की ओर से इस हवाई सेवा का किराया 3473 रुपये निर्धारित किया गया है। हालांकि फ्लाइट में सीटों की बुकिंग संख्या के आधार पर इस किराये में अप-डाउन हो सकता है।

दिनदहाड़े युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या, परिवार का इकलौता चिराग था विशाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छात्रों के दो गुटों के बीच चली आ रही रंजिश के कारण पांच-छह नकाबपोशों ने एक युवक को घेर लिया और दिनदहाड़े बीच चौराहे पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया। आस-पास के दुकानदार घायल को ई-रिक्शे में डालकर सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामपुर जिले के थाना स्वार के अंतर्गत ग्राम सलारपुर निवासी रमेश कांबोज का परिवार 18 साल पहले केलाखेड़ा के ग्राम रामनगर में आकर बस गया था। रमेश कांबोज टेंपो चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका इकलौता बेटा विशाल बुधवार दोपहर करीब 1:15 बजे अपने दो दोस्तों के साथ कार से बाजपुर जा रहा था। मुडिया तिराहे पर स्थित जूस कार्नर के सामने कार चला रहे युवक ने गाड़ी रोकी और विशाल जूस लेने के लिए कार से उतरा। इसी बीच वहां खड़े पांच-छह नकाबपोश हमलावर उसे लोहे की रॉड, लाठी-डंडों से पीटने लगे। यह देख विशाल के साथी कार लेकर वहां से भाग खड़े हुए। आसपास के दुकानदारों ने विशाल को बेहोशी की हालत में सीएचसी पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। विशाल रमेश ककंबोज का इकलौता बेटा था। वह दिल्ली में फोटोग्राफी करता था। हत्या की सूचना पर कोतवाल प्रवीण सिंह कोश्यारी, एसएसआई विक्रम सिंह धामी, एसआई राकेश कठायत व भगवान गिरी गोस्वामी आदि भी सीएचसी पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। दिनदहाड़े हुई हत्या से बाजपुर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने घटना के संबंध में मृतक के परिजनों से जानकारी जुटाई। एसपी चंद्रमोहन ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए पांच टीमों का गठन कर दिया है। परिवार वालों का कहना है कि विशाल का कुछ समय पहले एक स्कूल के छात्रों से विवाद हुआ था और उसके बाद छात्रगुटों में कई बार भिड़ंत हुई थी।

दिल में तूफ़ान भरता है भारत का सबसे महंगा पान है 'कोहिनूर', कीमत 5000 रूपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब भी हम पान की बात करते हैं तो हमारे माइंड में बनारसी पान ही क्लिक होता है। ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि हमने बचपन से ही बनारसी पान के बारे में अमिताभ बच्चन के गानों, बॉलीवुड फिल्मों, किताबों और लोगों के मुंह से सुना है। आज-कल कई रेस्टोरेंट में कुछ नया करने के लिए खाने-पीने की चीजों के साथ नये-नये एक्सपेरिमेंट किए जाते हैं। जिसमें से एक 'पान' भी है। नये प्रयोग में पान का असली स्वरूप भी बदल दिया जाता है और चूने-कत्थे की जगह नये-नये फ्लेवर डाल दिए जाते हैं, इसी कारण जो लोग पान नहीं भी खाना पसंद करते वो एक बार ट्राय तो कर ही लेते हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में 'पान' मशहूर है और कई देशों में ऐसे पान भी है जो आपकी सेहत को अच्छा बनाने का दावा भी करते हैं। उनमें से ही एक है कोहिनूर का पान! इस पान को बनाने वाले का दावा है कि यह पान सेक्स लाइफ को बेहतर बनाता है! तो चलिए जानते हैं कि ये कैसे सेक्स लाइफ को बेहतर बनाता है-

1-औरंगाबाद के तारा पान सेंटर में मिलेगा सेक्स लाइफ बेहतर बनाने वाला 'पान'

भारत का बेशकीमती कोहिनूर हीरा भले ही अंग्रेज अपने साथ ले गये हो लेकिन भारत ने कोहिनूर नाम का टपान' बना लिया है जो पिछले 51 साल से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। शायद अंग्रेजों को पता चलता तो वह पान बनाने वाले तारा पान सेंटर के शरफू मियां को भी उठा ले जाते। शरफू मियां का दावा है कि उनका कोहिनूर पान खाकर सेक्स लाइफ बेहतर हो जाती है। यहां बेचा जाने वाला पान एक कामोत्तेजक के रूप में भी कार्य करता है।

2-कोहिनूर पान की कीमत है 5000 रुपये

आम तौर पर आप एक पान के लिए कितना भुगतान करते हैं? 10-20 रुपये सबसे आम जवाब होगा। शायद कुछ विशेष पान के लिए लगभग 100 रुपये भी आप दे सकते हैं लेकिन इससे ज्यादा पान पर कौन खर्च करता है! लेकिन पान के शौकीन लोग खर्च करते समय जेब नहीं देखते और ऐसे ही शौकीन लोगों के लिए बनाया गया है कोहिनूर पान, जो शानदार स्वाद के साथ सेहत के लिए भी है फायदेमंद। कोहिनूर पान की कीमत 5000 रुपये है।

3-कपल के लिए जोड़ी में दिया जाता है कोहिनूर पान

जैसा की पान बनाने वाले का दावा है कि कोहिनूप पान खाने से सेक्स लाइफ बेहतर होती है। इसे ध्यान में रखते हुए कपल के लिए पान के कुछ स्पेशल फर भी है जिसमें कपल को जोड़ी में पान दिया जाता है ताकि पान का मजा दोनों लोग उठा सकें।

4-विदेश जाता है भारत का कोहिनूर पान

मोहम्मद सरफुद्दीन सिद्दीकी, जो तीन दशकों से दुकान चला रहे हैं, कुवैत, सऊदी अरब और दुबई जैसे देशों में पान का निर्यात भी करते हैं।

5-कोहिनूर पान में क्या-क्या मिलाया जाता है?

पुरुष और महिला उपभोक्ताओं के लिए पान की अलग-अलग कैटेगरी है दोनों तरह के पान में अलग-अलग चीजें मिलाई जाती हैं। नर पान में 70 लाख रुपये प्रति किलो कस्तूरी, अगर, एक तरल सुगंध शामिल है जो केवल पश्चिम बंगाल में 7 लाख रुपये प्रति किलो के मूल्य टैग के साथ मिलता है इसके अलावा 2 लाख रुपये प्रति किलो वाली केसर, 80,000 प्रति किलो गुलाब और कुछ 'गुप्त' सामग्री मिलायी जाती है। है। यह पान कोलकाता के प्रसिद्ध मीठा पान पत्ता में लपेट कर दिए जाते हैं।

6-महिलाओं के लिए स्पेशल केटेगरी

महिलाओं के लिए बनाये गये स्पेशल पान में गुलाब, सफ़ेद मुसली, एक जड़ का उपयोग कामोद्दीपक के रूप में किया जाता है जिसकी कीमत लगभग 6,000 रुपये प्रति किलोग्राम है, केसर की कम मात्रा करके शानदार पान को पत्तों में लपेट कर दिया जाता है।

जीवन के मूल्य खोजें कि आप हर दिन क्या करते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अंतिम अर्थ, हमारे जीवन और अस्तित्व का अर्थ, वास्तव में स्वयं का अर्थ ही हमारा उद्देश्य है।मूल्य इस बारे में हैं कि आप उस जीवन के लिए क्या महत्वपूर्ण मानते हैं जिसे आप जीना चाहते हैं। वे आपकी प्राथमिकताओं को सूचित करते हैं और, जब लगातार अभ्यास किया जाता है, तो वह चरित्र बनाते हैं जो आप चाहते हैं।

वे आपके मूल विश्वासों में निहित हैं जो जीवन को अच्छी तरह से जीने के लिए बनाता है और उस व्यवहार के बारे में जो आप दूसरों के लिए मॉडल करना चाहते हैं (बच्चों सहित यदि आपके पास है)।उन्हें अपने कार्यों और निर्णयों के लिए गाइडपोस्ट के रूप में देखें - वे विषय जिनके इर्द-गिर्द आप अपने जीवन को उस व्यक्ति के प्रकार के आधार पर डिजाइन करना चाहते हैं जो आप बनना चाहते हैं।आप अपने कई जीवन मूल्यों को अपने माता-पिता से या सामाजिक अपेक्षाओं से प्र ा तकर सकते हैं ।लेकिन यह आप पर निर्भर करता है कि आप इन मूल्यों को प्राथमिकता दें और समझें कि आप किस प्रकार उनका सम्मान करेंगे और प्रतिदिन उन पर कार्य करेंगे।अपने मूल मूल्यों को परिभाषित करने से आपको उन कार्यों और निर्णयों के मानदंड मिलते हैं जो आपको परेशानी से दूर रख सकते हैं, आपके आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान में सुधार कर सकते हैं, और आपके जीवन के लक्ष्यों को आगे बढ़ा सकते हैं।उनके बिना, आप पतवार रहित और चुनौतियों और विकल्पों के प्रति प्रतिक्रियाशील हैं जो जीवन आपके सामने प्रस्तुत करता है।

साहस, दया, धैर्य, अखंडता, कृतज्ञता / प्रशंसा, क्षमा, प्रेम, विकास, सुनना, सम्मान, आत्म-दान, दृष्टि, प्रामाणिकता, संतुलन, समुदाय, करुणा, रचनात्मकताउदारता, न्याय, सीखना, वफादारी, स्वतंत्रता, विवेक, लचीलापन और जिम्मेदारी, लोगों को यह सीखने की जरूरत है। उनके कार्य अन्य लोगों को प्रभावित करते हैं, इसलिए सावधान रहें कि आप क्या कहते हैं और क्या करते हैं, यह हमेशा आपके बारे में नहीं होता.... ! खुद को बचाने के लिए, ₹कमजोर₹ लोगों में ₹खराब₹ पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके विपरीत, 'STORNG' जो थोड़ा डरता है, ₹अच्छे₹ पर ध्यान केंद्रित करता है।कोई नहीं, लेकिन मजबूत जुनून के लोग महानता की ओर बढ़ने में सक्षम हैं!गीता के अनुसार, जीवन का अंतिम उद्देश्य केवल चिरस्थायी प्रेम, शांति और खुशी / आनंदम प्राप्त करना, ईश्वर और हमारे वास्तविक स्वरूप (ईश्वर / आत्म-साक्षात्कार) को प्राप्त करना है।₹शत चित आनंदम₹यह उनकी रचना की सेवा करते हुए सर्वोच्च / भगवान की सेवा करके प्राप्त किया जा सकता है।

प्यार और आभारशेली औरोरालाइट वर्कर, टैरो रीडर और हीलर

पूर्व दर्जा राज्यमंत्री ने टैंक पर चढ़कर गोली मारकर की आत्महत्या, परिवार में कोहराम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पूर्व दर्जा राज्यमंत्री और वर्तमान में रोडवेज कर्मचारी नेता ने एक बहुत ही नाटकीय और दुखद घटनाक्रम के दौरान घर के पास बने ओवरहेड टैंक पर चढ़कर पुलिस की मौजूदगी में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार बहुगुणा पारिवारिक विवाद में बहू के द्वारा उन पर लगाए गए गंभीर आरोपों से आहत थे। परिजनों ने भी उनके खिलाफ गंभीर आरोप में दर्ज मुकदमे को गलत बताया है।

बनभूलपुरा थाना क्षेत्र स्थित भगत कॉलोनी निवासी पूर्व दर्जा राज्यमंत्री व रोडवेज में वरिष्ठ लिपिक के पद पर तैनात हेम राजेंद्र बहुगुणा बुधवार दोपहर करीब एक बजे घर से कुछ दूरी पर बने ओवरहेड टैंक पर चढ़ गए। काफी देर तक लोग और पुलिसकर्मी वहां से उतरने को मनाते रहे लेकिन वे नहीं माने और कूदने की बात कहने लगे। इसी दौरान सूचना पर पहुंचे बनभूलपुरा थाना एसओ नीरज भाकुनी ने काफी देर तक उन्हें समझाने की कोशिश की और बातचीत

एसओ बनभूलपुरा के मुताबिक नीचे आने की बात पर जब उन्होंने माइक रखा, उसी दौरान बहुगुणा ने खुद को गोली मार ली। पुलिस उन्हें घायल अवस्था में एसटीएस लेकर पहुंची। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 31 अक्तूबर को वह रिटायर होने वाले थे। घर में वह बेटे, पत्नी और बहू के साथ रहते थे। उनकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर बहुगुणा के इस आत्मघाती कदम उठाने के पीछे जिस किसी का भी हाथ होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच करेगी।

रोडवेज कर्मचारी होने के साथ-साथ एचआर बहुगुणा बड़े व्यवसायी भी थे। शहर में उनका एकबड़ा बार और रेस्टोरेंट है।

विभागीय अधिकारियों की सूचना पर पहुंची थी पुलिस

जानकारी के मुताबिक, एचआर बहुगुणा ने खुद को गोली मारने से कुछ देर पहले हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र सिंह बिष्ट को फोन कर मामले की सूचना दी थी। एआरएम ने तत्काल 112 को फोन कर सूचित किया। इस पर एसआई लता खत्री मौके पर पहुंच गईं और मामले से आला अधिकारियों को अवगत कराया।

एक से डेढ़ मीटर की दूरी पर पड़ा मिला तमंचा और चाकू

देर शाम जब बनभूलपुरा पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां 315 बोर के दो तमंचे, चाकू, सिगरेट, माचिस, मोजे और दो अस्थमा इन्हेलर पड़े मिले। पुलिस ने बताया कि एक तमंचा लोडेड था जिसमें कारतूस फंसा हुआ था। जिस तमंचे से गोली मारी गई थी, उसका खोखा बरामद कर लिया गया है।

संपादकीय

सेवा शुल्क पर सख्ती

भोजन या जलपान के लिए रेस्त्रां में जानेवाले ग्राहकों को कई बार तय कीमतों से अतिरिक्त अन्य शुल्कों का भुगतान करना पड़ता है. मनमाने तरीके से सेवा शुल्क के नाम पर बिल में जोड़ी गयी इस रकम के भुगतान के लिए ग्राहकों पर दबाव भी बनाया जाता है. इस तरह का चलन पूरी तरह से गैरकानूनी है. चूंकि, रोजाना के आधार पर बड़ी संख्या में रेस्त्रां-ग्राहकों को यह प्रभावित करता है और यह उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ भी है, ऐसे में इन मामलों की बारीक और विस्तृत पड़ताल आवश्यक है. उपभोक्ता मामले विभाग ने ऐसी शिकायतों के मद्देनजर आगामी दो जून को रेस्त्रां मालिकों के साथ एक बैठक प्रस्तावित की है. विभाग ने नेशनल रेस्त्रां एसोसिएशन ऑफ इंडिया को भेजे गये पत्र में भी चेताया है कि रेस्त्रां और भोजनालय संचालकों द्वारा ग्राहकों से अनिवार्य तौर पर सेवा शुल्क की वसूली की जा रही है, जबकि इसके लिए स्वैच्छिक और उपभोक्ताओं के विवेक के आधार पर प्रावधान किये गये हैं. इन शुल्कों की वैधता को लेकर भी ग्राहकों को भ्रमित करने के प्रयास होते हैं. बिल से इस शुल्क को हटाने के लिए अनुरोध करने पर ग्राहकों को परेशान किया जाता है, जो अनुचित और दंडनीय है. अप्रैल, 2017 में विभाग द्वारा जारी निर्देश की मानें, तो रेस्त्रां में ग्राहक का दाखिल होना, सेवा शुल्क की स्वीकृति का आधार नहीं बन सकता. सेवा शुल्क के लिए बाध्य करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनिम के तहत 'प्रतिबंधित व्यापारिक चलन' है. ग्राहक की सहमति के बिना तय शुल्क के इतर किसी भी तरह से अतिरिक्त शुल्क की वसूली अनुचित है. इसके लिए ग्राहक उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग/ उपयुक्त क्षेत्राधिकार वाले फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. विभाग द्वारा चार अहम मुद्दों पर प्रस्तावित चर्चा विचारणीय है रेस्त्रां द्वारा वसूले जानेवाले सेवा शुल्क और उसकी अनिवार्यता तय किये जाने या किसी अन्य शुल्क के नाम पर बिल में इसे जोड़ने पर स्पष्ट रोक हो, इसके लिए उचित दिशा-निर्देश और कार्रवाई का तय होना आवश्यक है. सेवा शुल्क वैकल्पिक और स्वैच्छिक है, इस सूचना को उपभोक्ताओं से छिपाने और ग्राहक द्वारा सेवा शुल्क के भुगतान से इनकार करने पर उसे बाध्य करने पर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि किसी तरह से उपभोक्ताओं का हित प्रभावित न हो. उपभोक्ता हितों को सुरक्षित करने के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर शिकायत करने की व्यवस्था है. ग्राहकों को अपने हितों को लेकर सजग और सतर्क होना होगा. बीते दिनों केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा कैब संचालक शीर्ष कंपनियों को अनुचित रूप से सेवा शुल्क वसूलने और अनुचित व्यापारिक गतिविधियों के चलते नोटिस जारी किया गया था. सेवा या सुविधा शुल्क के नाम पर ग्राहकों के साथ ज्यादती न हो, इसके लिए फौरी तौर पर कार्रवाई की व्यवस्था हो, साथ ही आम जनमानस को भी अपने उपभोक्ता अधिकारों को लेकर सतर्क और जागरूक होने की जरूरत है.

प्रदेश में आज कोरोना के आठ नए मामले आए सामने, 14 मरीज हुए स्वस्थ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्य में बुधवार को कोरोना के आठ नए मामले मिले, जबकि 14 मरीज स्वस्थ हुए हैं। कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं, संक्रमण दर 0.55 प्रतिशत रही है।

प्रदेश में फिलवक्त कोरोना के 70 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 38, जबकि हरिद्वार में सात और नैनीताल में छह सक्रिय मामले हैं। पिथौरागढ़ में कोरोना का कोई सक्रिय मामला नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में निजी व सरकारी लैब से 1458 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिनमें 1450 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

देहरादून में तीन व हरिद्वार में दो लोग संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा चम्पावत, टिहरी व ऊधमसिंह नगर में एक-एक व्यक्ति संक्रमित मिला है। अन्य आठ जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, नैनीताल, पौड़ी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग व उत्तरकाशी में कोरोना का कोई नया मामला नहीं मिला है।

इधर, विभिन्न जिलों से 1999 सैंपल

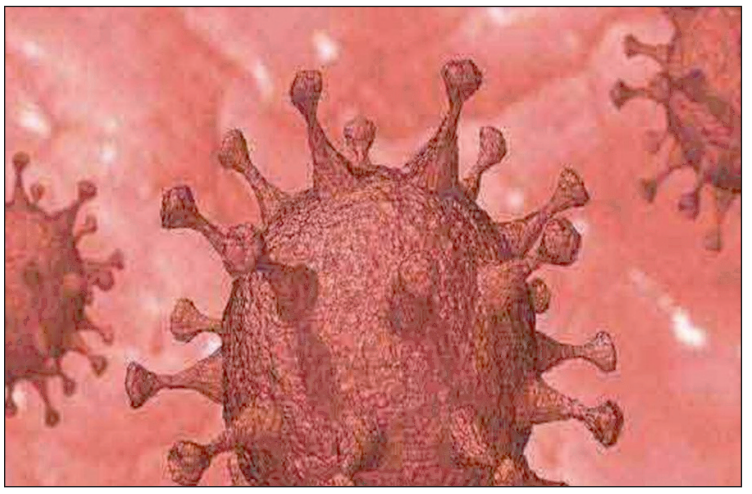

कोरोना जांच को भेजे गए। प्रदेश में इस साल कोरोना के 92,747 मामले आए हैं। इनमें से 89,142 (96.11 प्रतिशत) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। कोरोना संक्रमित 275 मरीजों की मौत भी हुई है।

उधर, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 16 नवंबर को विकासखंड जखोली, 17 नवंबर को विकासखंड अगस्त्यमुनि तथा 18 नवंबर को विकासखंड ऊखीमठ में शिविर आयोजित किए गए थे। जिसमें चिह्नित वृद्धजनों व दिव्यांगजनों को गुरुवार को कृत्रिम अंग वितरित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने परिवार संग किए बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग/गोपश्वर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने अपने परिवार के साथ बुधवार को बाबा केदारनाथ के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर हाई कोर्ट नैनीताल के कार्यवाहक न्यायमूर्ति एसके मिश्रा भी मौजूद रहे।

न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे सपरिवार हेलीकाप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचे। वीआइपी हेलीपैड पर मंदिर समिति की ओर से श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने न्यायमूर्ति का स्वागत किया। इसके बाद वह मंदिर में पूजा अर्चना के लिए गए। लगभग 30 मिनट तक पूजा की।

उसके पश्चात न्यायाधीश उदय उमेश ललित बदरीनाथ दर्शनों को गए। बदरीनाथ मंदिर में मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह ने न्यायमूर्ति का स्वागत करते हुए भगवान का प्रसाद व तुलसी माला भेंट की। इसके पश्चात न्यायमूर्ति ने सीमांत ग्राम माणा में बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा आदि मौजूद रहे।

गुरुवार को ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार और संसदीय सलाहकार समिति की टीएचडीसी के टिहरी बांध व्यू प्वाइंट के ऊपर बैठक होनी है। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह सहित कई माननीय और संसदीय समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को 3.30 बजे कोटी हेलीपैड पर पहुंचेंगे। जिला प्रशासन ने बताया कि मुख्यमंत्री हेलीपैड से चार बजे डैम टाप पहुंचकर टीएचडीसी की ओर से आयोजित जर्नी आफ टिहरी डैम कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे, जिसमें केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

जिलाधिकारी इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि शांति व सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, मंच व पंडाल, अग्नि सुरक्षा उपकरण आदि व्यवस्था के लिए अधिकारियों को नामित किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

ऋषिकेश में चारधाम यात्रा के पंजीकरण बंद, एसडीआरएफ का कोटा फुल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पर्यटन विभाग की ओर से चारों धामों को जाने वाले यात्रियों का आईएसबीटी परिसर में पंजीकरण बुधवार सुबह नौ बजे के बाद बंद कर दिया गया। पर्यटन विभाग ने एसडीआरएफ का कोटा फुल होने पर यात्रियों के पंजीकरण पर रोक लगाई है। वहीं 31 मई तक के लिए सभी स्लॉट भी फुल हो चुके हैं।

एसडीआरएफ ढालवाला के उप निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि बुधवार सुबह वह 5:30 बजे से आईएसबीटी में एसडीआरएफ के कोटे से यात्रियों का पंजीकरण कर रहे थे। करीब नौ बजे तक 200 यात्रियों का पंजीकरण किया गया। उसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पंजीकरण बंद कर दिया गया है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। 31 मई तक के चारों धामों के लिए यात्रियों का स्लॉट फुल है। बदरीनाथ धाम जाने के लिए गिने चुने यात्रियों का पंजीकरण हो रहा है। धामों में भीड़ बढ़ने के कारण आईएसबीटी परिसर में हो रहे पंजीकरण को बुधवार को बंद करना पड़ा। कहा कि उन्हें जैसे ही उच्चाधिकारियों के आदेश मिलेंगे, वह पंजीकरण शुरू कर देंगे।

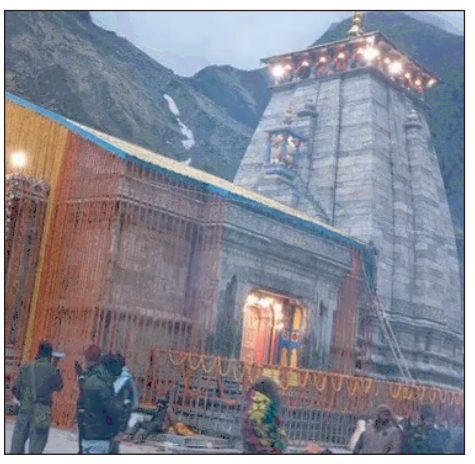

काबुल में एक मस्जिद और मिनी बसों में हुए चार विस्फोट, 16 की मौत, दर्जनों घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार को एक मस्जिद और उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ में तीन मिनी बसों में हुए विस्फोट में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। हालांकि संख्या अभी बढ़ सकती है।

बल्ख प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता आसिफ वजीरी ने बताया कि बम शहर के विभिन्न जिलों में तीन मिनी बसों पर रखे गए थे। उन्होंने कहा कि धमाकों में 15 अन्य लोग घायल हो गए। बल्ख स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख नजीबुल्लाह तवाना ने कहा कि वाहनों में हुए विस्फोटों में मारे गए लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि बुधवार देर रात राजधानी काबुल में एक मस्जिद के अंदर एक और बम विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। वहीं काबुल के एक अस्पताल ने ट्वीट किया कि मस्जिद विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

काबुल में एक मस्जिद के अंदर हुए बम धमाके में घायलों को निकालने के लिए एंबुलेंस मस्जिद पहुंचीं। जानकारी के मुताबिक मस्जिद में एक पंखे के अंदर बम रखा गया था। बुधवार को हुए चार बम हमलों की अभी तक किसी आतंकी समूह जिम्मेदारी नहीं ली है।

पिछले महीने 29 अप्रैल को काबुल में एक सुन्नी मस्जिद में हुए हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए थे। यहां बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक सूफी समुदाय के सदस्य मौजूद थे जो नमाज अदा करने को इकठ्ठा हुए थे। वहीं 21 अप्रैल को मजार-ए-शरीफ में एक शिया मस्जिद में हुए बम विस्फोट में कम से कम 12 नमाजियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। साथ ही रमजान के दौरान सबसे घातक हमला उत्तरी शहर कुंदुज में हुआ था जब 22 अप्रैल को एक मस्जिद में बम विस्फोट में सूफी उपासकों को निशाना बनाया गया था। उस विस्फोट में कम से कम 33 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

सुन्नी-बहुल अफगानिस्तान में आईएस की क्षेत्रीय शाखा ने बार-बार शियाओं और सूफी जैसे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया है। आईएस तालिबान की तरह एक सुन्नी इस्लामी समूह है, लेकिन दोनों कड़े प्रतिद्वंद्वी माने जाते हैं।

बडगाम में कश्मीरी टीवी कलाकार अमरीन की आतंकियों ने की गोली मारकर हत्या

जम्मू, एजेंसी। मध्य कश्मरी के बडगाम जिले के चाडूरा में बुधवार देर रात आतंकवादियों ने एक कश्मीरी टीवी महिला कलाकार अमरीन भट की घर के बाहर गोलीमार कर हत्या कर दी। गोलीबारी में उसका भतीजा भी घायल हो गया। भतीजे को सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर है। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरा इलाका घेर लिया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है।

इसबीच पुलिस ने कहा है कि वारदात को लश्कर के तीन आतंकियों ने अंजाम दिया है। मामले की जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने टीवी कलाकार आमरीन की हत्या की निंदा की है। सिन्हा ने कहा कि हम आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि रात लगभग आठ बजे अमरीन भट (29) चाडूरा इलाके में अपने घर के बाहर भतीजे फुरहान जुबैर के साथ खड़ी थी। इसी दौरान वहां पहुंचे आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गोलियां लगते ही अमरीन और उसका भतीजा जमीन पर खून से लथपथ होकर गिर पड़े। इसके बाद आतंकी वहां से भाग निकले।

आतंकियों के वहां से जाते ही परिजन व अन्य लोग दोनों घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने अमरीन को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके भतीजे को गंभीर हालत के कारण श्रीनगर के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावरों की तलाश में सघन अभियान चलाया जा रहा है।

बताया जाता है कि अमरीन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थी। देश में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगने से पहले वह इस प्लेटफार्म पर अपने वीडियो को लेकर काफी मशहूर थीं। उनके फालोवर्स की संख्या भी काफी थी। यह हमला उस वक्त हुआ है जब घाटी की हसीन वादियों में बॉलीवुड फिर लौटने लगा है। कभी फिल्मों की शूटिंग के लिए कश्मीर बॉलीवुड के लिए पहली पसंद हुआ करता था। एक बार फिर यूरोप और हिमाचल समेत अन्य स्थलों की ओर रुख करने वाले निर्माता-निर्देशकों का कश्मीर घाटी के प्रति रुझान बढ़ा है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद माहौल में आए बदलाव, सुरक्षा स्थिति में सुधार और उप राज्यपाल प्रशासन की ओर से घोषित पहली फिल्म नीति के चलते जम्मू-कश्मीर में फिल्म शूटिंग के लिए कई निर्माता निर्देशक पहुंच रहे हैं। फिल्म नीति घोषित होने के बाद एक साल से भी कम समय में 120 से अधिक फिल्मों की शूटिंग की अनुमति दी जा चुकी है। इनमें हिंदी के साथ ही दक्षिण भारतीय और पंजाबी फिल्में भी शामिल हैं।

प्रदेश में फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए गठित जम्मू-कश्मीर फिल्म विकास परिषद की ओर से शूटिंग लोकेशन भी जारी की गई हैं ताकि इच्छुक फिल्म निर्माताओं को किसी विशेष प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यदि कोई फिल्म शूटिंग के लिए अनुमति चाहता है तो सारी प्रक्रिया को चार से पांच दिनों में पूरा किया जा रहा है। 120 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग को अनुमति दे दी गई है। इनमें क्षेत्रीय फिल्में भी शामिल हैं। कई और आवेदन प्रक्रिया में है। टी सीरीज समेत कई नामी घराने यहां शूटिंग के लिए आ रहे हैं।

टेरर फंडिंग मामले में यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा, दिल्ली-एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट

नई दिल्ली। अदालत ने टेरर फंडिंग मामले में दोषी ठहराए गए कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को राहत प्रदान करते हुए दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा मलिक को मृत्युदंड देने की मांग को खारिज कर दिया। पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने खचाखच भरी अदालत में शाम 6 बजे के बाद सुनाए अपने फैसले में यासीन को दो धाराओं में उम्रकैद, एक में 10 वर्ष व एक में पांच वर्ष कैद की सजा सुनाते हुए उस पर जुर्माना भी लगाया है। अदालत के फैसले के अनुसार सभी सजाए एक साथ चलेगी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दोषी ने स्वयं अपना अपराध कबूल किया है और उसे मृत्युदंड देने का कोई आधार नहीं है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने की मांग की। एजेंसी के वकील ने कहा कि दोषी कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में लिप्त रहा है और उसने आतंकियों को फंडिंग करने में अहम भूमिका निभाई। इन लोगों को उद्देश्य कश्मीर को भारत से अलग करने की मंशा थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से पैसा आता था और यह पैसा आंतकी गतिविधियों में लिप्त व उनसे गठजोड़ करने वालों पर खर्च किया जाता था ताकि कश्मीर का माहौल खराब हो सके। यह देशद्रोह का मामला है ऐसे में उसे मृत्युदंड की सजा देना जरूरी है ताकि अन्य को सबक मिल सके। यासीन मलिक को विशेष अदालत ने पिछले हफ्ते आतंकी फंडिंग मामले में दोषी ठहराया गया था। वहीं, मलिक की सहायता के लिए अदालत द्वारा नियुक्त न्याय मित्र ने आजीवन कारावास की मांग की। उन्होंने कहा मलिक ने स्वयं अपना अपराध कबूल किया है और उसके साथ सहानुभूति बरती जाए।

मलिक ने कहा कोई साक्ष्य नहीं

दूसरी तरफ अपराध कबूल करने वाले मलिक का रवैया आज बदला हुआ था। मलिक ने अदालत से कहा कि अगर खुफिया एजेंसियां आतंकी गतिविधियों में उसके शामिल होने का सबूत देती हैं तो वह राजनीति से हट जाएंगे। मलिक ने यह भी कहा कि उन्होंने सात प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है और न्यायाधीश से कहा कि वह सजा की मात्रा तय करने के लिए इसे अदालत पर छोड़ रहे हैं। मलिक ने कहा उसके खिलाफ कोई भी साक्ष्य नहीं है, यदि वह आतंकी होता तो देश के प्रधानमंत्री उनसे बैठक क्यों करते। उसने कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया। उसका एक लंबा राजनीतिक करियर है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा